A–0457

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MASL–606

M.A. Sanskrit (MASL)

काव्यशास्त्र भाग-02

Examination, 2026 (Feb.)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अधोलिखित कारिका की विस्तृत व्याख्या कीजिए–

   धर्मार्थकाममोक्षेषु वैचक्षण्यं कलासु च।

   करोति कीर्तिं प्रीतिं च साधुकाव्यनिबन्धनम्॥

2. आचार्य मम्मट के काव्य लक्षण एवं प्रयोजन की व्याख्या कीजिए।

3. काव्यशास्त्र की ऐतिहासिक परम्परा का वर्णन कीजिए।

4. भट्टनायक के भुक्तिवाद की विवेचना कीजिए।

5. काव्यप्रकाश में प्रतिपादित काव्य हेतु का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

साहित्य दर्पण के आधार पर शब्दालंकार का विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' स्पष्ट कीजिए।

2. करुण रस का उदाहरण सहित परिचय दीजिए।

3. अधोलिखित विषय पर टिप्पणी लिखिए–

शब्दार्थौ सहितौ वक्र–कविव्यापारशालिनि।

बन्धे व्यवस्थितौ काव्यं तद्विदाह्लदकारिणि॥

4. अनुप्रास अलंकार को परिभाषित कीजिए।

5. भाक्तवाद का निरुपण कीजिए।

6. पर्याय एवं व्याजोक्ति अलंकारों का वर्णन कीजिए।

7. वक्रोक्ति अलंकार का वर्णन कीजिए।

8. अनिर्वचनीयमावाद को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

काव्य में रस एवं अलंकार के महत्व को समझाइए।

****